



Jamshedpur Women's University

International Mother Language Day 2026

24th February 2026, Jamshedpur

“Mother Tongue is the Carrier of Values”: Jamshedpur Women's University Celebrates International Mother Language Day at Sidgora Campus

Jamshedpur Women's University observed International Mother Language Day 2026 with great fervor and cultural pride at its Sidgora campus. The event, held under the guidance of Vice Chancellor Prof. (Dr.) Anjila Gupta, aimed to highlight the importance of preserving mother tongues as a vital part of identity and heritage.

The program began with a warm welcome and saw active participation from faculty members, research scholars, and students dressed in traditional attire, reflecting the diversity of languages and cultures.



“Progress with Roots”: Chief Guest's Address

The Chief Guest, Dr. D.R.S. Dayal, retired Head of the English Department, Kolhan University, delivered the keynote address. He stressed that while it is necessary to learn other languages for global progress and opportunities, it should never be at the expense of one's mother tongue.

Calling the mother tongue the “sawahika of sanskars” or “carrier of cultural values”, Dr. Dayal said, *“A person who remains connected to his roots is the one who can stand with confidence and strength on any global platform. Language is not just a means of communication, it is our identity.”*



“Language Extinction Means History Extinction”

Dr. Sudhir Sahu, Dean of the Faculty of Humanities, addressed the gathering and drew attention to the deeper impact of language loss. He said, *“When a language dies, the history, folklore, traditions, and collective memory of that society also die with it. Therefore, protecting our mother languages is protecting our civilization.”*

The event also featured reflections shared by Heads of various departments, who spoke about the significance of their own mother tongues. This multilingual segment received great appreciation from the audience.



Cultural Spirit and Participation

Dr. Nupur Anvita Minj delivered the welcome address and set the tone for the day. The entire program was smoothly conducted by Research Scholar Ayesha. Faculty members including Dr. Rupali Patra, Amrita Kumari, and Dr. Kamini Kumari were present along with a large number of students.

Dr. Manisha Taitus concluded the program with a heartfelt vote of thanks. The celebration ended with a group photograph of all attendees, capturing the spirit of unity in diversity.



The university stated that such initiatives are crucial to instill pride in one's linguistic roots among students while also embracing global communication.







मातृभाषा संस्कारों की संवाहिका, जड़ों से जुड़कर ही मिलेगी पहचान : डॉ दयाल



महिला विश्वविद्यालय के सिद्दगोड़ा परिसर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस धूमधाम से मनाया गया

जमशेदपुर, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के सिद्दगोड़ा परिसर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस-2026" धूमधाम से मनाया गया. कुलपति प्रो (डॉ) अंजलि गुप्ता के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोल्हान विवि के सेवानिवृत्त अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ डीआरएस दयाल ने कहा कि प्रगति के लिए दूसरी भाषाएं सीखना जरूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा की कीमत पर नहीं. उन्होंने मातृभाषा को "संस्कारों की संवाहिका" बताते हुए कहा कि जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वही वैश्विक मंच पर टुढ़ता से खड़ा हो सकता है. मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ सुधीर साहू ने कहा कि किसी भाषा के लुप्त होने के साथ उस समाज की इतिहास और परंपराएं भी समाप्त हो जाती हैं. डॉ नूपुर अविता मिश्र ने स्वागत भाषण दिया और डॉ मनीषा टाइटस ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम में डॉ रूपाली पात्रा, अमृता कुमारी, डॉ कामिनी कुमारी सहित कई शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थीं. संचालन रिसर्च स्कूलर आयशा ने किया. समारोह में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने अपनी मातृभाषाओं में विचार साझा किये.

मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन



जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस का भव्य आयोजन

जमशेदपुर, जमशेदपुर महिला विश्वविद्यालय के सिद्दगोड़ा परिसर में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस-2026" धूमधाम से मनाया गया. कुलपति प्रो (डॉ) अंजलि गुप्ता के मार्गदर्शन में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कोल्हान विवि के सेवानिवृत्त अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ डीआरएस दयाल ने कहा कि प्रगति के लिए दूसरी भाषाएं सीखना जरूरी है, लेकिन अपनी मातृभाषा की कीमत पर नहीं. उन्होंने मातृभाषा को "संस्कारों की संवाहिका" बताते हुए कहा कि जो अपनी जड़ों से जुड़ा रहता है, वही वैश्विक मंच पर टुढ़ता से खड़ा हो सकता है. मानविकी संकायाध्यक्ष डॉ सुधीर साहू ने कहा कि किसी भाषा के लुप्त होने के साथ उस समाज की इतिहास और परंपराएं भी समाप्त हो जाती हैं. डॉ नूपुर अविता मिश्र ने स्वागत भाषण दिया और डॉ मनीषा टाइटस ने धन्यवाद ज्ञापन किया. कार्यक्रम में डॉ रूपाली पात्रा, अमृता कुमारी, डॉ कामिनी कुमारी सहित कई शिक्षिकाएं व छात्राएं उपस्थित थीं. संचालन रिसर्च स्कूलर आयशा ने किया. समारोह में विभिन्न विभागाध्यक्षों ने अपनी मातृभाषाओं में विचार साझा किये.